[52] No. of printed page : 01

**SARDAR PATEL UNIVERSITY**
**M.A. (Final) (External) Examination**
**2014**
**Monday, 31st March**
**2.30 pm - 5.30 pm**
**Hindi: Paper - VIII**
**नाटक एवम् रंगमंच** A

**कुल गुण : १००**

**सूचना :** सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

प्र.१ ''नाटक और रंगमंच परस्पर पूरक हैं''- इस कथन को सिद्ध कीजिए । (२०)

**अथवा**

प्र.१ कालिदास ने काव्य-विधाओं में नाट्य को सर्वश्रेष्ठ क्यों कहा था ? स्पष्ट कीजिए ।

प्र.२ स्तानिस्लावस्की के अभिनय सिद्धान्त की चर्चा कीजिए । (२०)

**अथवा**

प्र.२ ''महाकाव्यात्मक रंगमंच'' को समझाइए ।

प्र.३ प्रसाद के नाटकों के क्रमिक विकास को रेखांकित कीजिए । (२०)

**अथवा**

प्र.३ भारतेन्दु प्रदत्त नाट्य प्रयोजन पर प्रकाश डालें ।

प्र.४ 'रस सूत्र' की व्याख्या करें । (२०)

**अथवा**

प्र.४ पारसी रंगमंच की विशेषताओं को समझाइए ।

प्र.५ **किन्हीं दो पर** टिप्पणी लिखें : (२०)

१) रोमन थियेटर
२) यथार्थवादी रंगमंच
३) मोहन राकेश
४) लोक नाट्य

☺☺☺☺☺